हक कापीराईट महफूज है कोई साहिब न छापे।

* श्रीः *

प्रमाणनीय

ज्ञानदीपिका।

संशोधित

अर्थात्

जैनद्योत

जिस को

जैनाचार्य्य पञ्जाबी श्री १००८ श्री परम पूज्य अमरसिंहजी की सम्प्रदाय में सत्य धर्मोपदेशिका बाल ब्रह्मचारिणी जैनाचार्य्याजी श्रीमती श्री १००८ सती जी श्री-पार्वती जी ने सांसारिक जीवों के उद्धार के लिये बनाया और लाला मेहरचन्द लक्ष्मणदास श्रावक सैदमिट्ठा बाज़ार लाहौर ने छपवाया।

तृतीयावृत्ति

मूल्य ।।।)